Name of the College - A.P.S.M College Barauni
Name -> Dr. Rajesh Kumar Suman
Designation -> [VIT]
Date -> 18.4.2021
Class -> B.A Part - II [H]
Units -> 06
Paper -> III
Name of the topics -> National Income Account : GDP

---

(4) चतुर्थ पंक्ति [Column] - यह पंक्ति अर्थव्यवस्था के पूंजी खाता से सम्बन्ध रखती है। जिसमें पूंजी वस्तुओं तथा माल सूचियों [Inventories] में शुद्ध परिवर्तन के लिए व्यवसाय क्षेत्र का 108 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है और करोड़ रुपये के विदेशों में किये गये शुद्ध विनियोग है।

(5) पंचम पंक्ति (Column) -> इसका संबंध शेष विश्व खाता अर्थात् विदेशी खाता से है। इसमें विदेशियों को वस्तुओं तथा सेवाओं के विक्रयों अर्थात् निर्यात से प्राप्त 72 करोड़ रुपये भुगतान दर्शाया गया है।
इसी प्रकार सारणी के आधार पर प्रत्येक स्तम्भ या खाना (Row) के अनुसार प्रत्येक क्षेत्र की प्राप्तियों का विश्लेषण किया जा सकता है।
सारणी में प्रस्तुत की गयी सामाजिक लेखा आधार के या यह तीन बातें स्पष्ट होती है।

(1) प्रत्येक आयताकार खाने से पता चलता है कि एक क्षेत्र के खाते (Account) को किए गए भुगतान दूसरे क्षेत्र के खाता से प्राप्त आय के बराबर है।
उदाहरण के लिए -> सारणी में पंक्ति के अनुसार जो व्यवसाय या उत्पादन क्षेत्र के द्वारा घरेलू क्षेत्र को 830 करोड़ रुपये का भुगतान है, उसे खाने या स्तम्भ के अनुसार घरेलू क्षेत्र की प्राप्ति के रूप में दर्शाया गया है।

(2) द्वितीय पंक्ति के अनुसार उत्पादन क्षेत्र द्वारा किया गया जो 927 करोड़ रुपये का कुल भुगतान है, वह स्तम्भ के अनुसार इस क्षेत्र की कुल आय के बराबर है।

(3) सामाजिक लेखांकन आव्यूह में सभी क्षेत्रों के कुल भुगतान सभी क्षेत्रों कुल प्राप्तियों के बराबर है। सारणी में पंक्ति के अनुसार और स्तम्भ के अनुसार कुल प्राप्तियों व भुगतानों की राशि 2147 करोड़ रुपये है। इससे राष्ट्रीय आय लेखा का एक महत्वपूर्ण सिद्धान्त स्पष्ट होता है कि किसी अर्थव्यवस्था में कुल आय सदैव कुल व्यय के बराबर है।

⇒ OBJECTIVE TYPE QUESTIONS

(i) प्रत्येक देश अपनी राष्ट्रीय आय में सम्बन्धित जो व्यवस्थित हिसाब-किताब रखता है, उसे कहते हैं

Ans राष्ट्रीय आय लेखा

(ii) राष्ट्रीय आय लेखांकन में विभिन्न क्षेत्रों के लिए जो लेखे तैयार किये जाते हैं, उनका आधार है।

Ans दोहरी अंकन विधि।

(iii) राष्ट्रीय आय लेखा की अवधारणा को सर्वप्रथम विकसित किया।

Ans सर रिचर्ड स्टोन

(iv) राष्ट्रीय आय लेखांकन अर्थव्यवस्था को वर्गीकृत करता है

Ans पाँच भागों में

(v) विनियोजन लेखा कहा जाता है।

Ans उपभोग लेखा को

(vi) राष्ट्रीय आय लेखा को प्रस्तुत किया गया है।

Ans सामाजिक लेखांकन सारणी द्वारा